हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 12 जनवरी 2026

11 मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने को...

12 दिल्ली मास्टर्स एथलेटिक में रहा बीआरजी का दबदबा

खबर संक्षेप

अधिकारिता मंत्री आज पाटौदा में

झज्जर। हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी सोमवार को पाटौदा गांव का दौरा करेंगे। कैबिनेट मंत्री दोपहर बाद गांव पाटौदा स्थित संस्कारम यूनिवर्सिटी में आयोजित सब जूनियर राष्ट्रीय सॉफ्टबॉल चैम्पियनशिप में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान कैबिनेट मंत्री खिलाड़ियों से संवाद करेंगे तथा उन्हें खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रीय गौरव की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

आज लगेंगे जिलास्तरीय समाधान शिविर

झज्जर। जिले में आमजन की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल करेंगे।

गांजे सहित महिला को किया गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की एंटी नार्कोटिक सैल ने गांजे सहित एक महिला को गिरफ्तार किया है। प्रवासी मूल की यह महिला फिलहाल छोटूराम नगर में रहती है। छोटूराम नगर से ही गुप्त सूचना के आधार पर इसे काबू किया गया। इसके पास 220 ग्राम गांजा बरामद हुआ। महिला के खिलाफ लाइनपार थाने में केस दर्ज किया गया है।

अवैध हथियार सहित आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाख-2 ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया है। दरअसल, सीआईए की टीम मेहंदीपुर डाबोदा में पावर हाउस के निकट मौजूद थी। इसी दौरान शक के आधार पर युवक को काबू किया गया। आरोपी से देशी पिस्तौल बरामद हुई। आरोपी की पहचान विनोद उर्फ विक्की के रूप में हुई है। उससे पूछताछ की जा रही है।

सीवरेज ब्लॉकेज से दुखी वार्ड-24 निवासी

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-24 में बौड़ा कुआ इलाके में पिछले कई दिनों से सीवरेज ओवरफ्लो और सीवरेज ब्लाक की समस्या से स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है। दर्शना, बाला, मुकेश देवी, पुष्पा, सुभाष, मीनाक्षी व यशपाल हिंदुस्तानी ने बताया कि सीवर ओवरफ्लो होने से बीमारी फैलने का भी डर बना हुआ है। पब्लिक हेल्थ में ऑनलाइन इसकी शिकायत दर्ज करवाई गई है।

रेडक्रॉस कॉम्पलेक्स परिसर में एकत्रित हुए कांग्रेस कार्यकर्ता, जमकर की नारेबाजी

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस नेताओं ने काली पट्टी बांधकर रखा उपवास

कांग्रेस राज में शुरू हुई मनरेगा योजना में 100 दिन के काम की गारंटी थी, लेकिन बीजेपी ने 125 दिन किए हैं, लेकिन काम की कोई गारंटी नहीं है

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। रेडक्रॉस शॉपिंग कॉम्पलेक्स में धरनारत कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

मनरेगा का नाम बदलने और उसके स्वरूप में परिवर्तन किए जाने के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने रविवार को काली पट्टी बांधकर एक दिवसीय उपवास और सांकेतिक धरना-प्रदर्शन करते हुए विरोध जताया। बेरी से विधायक डॉक्टर रघुबीर सिंह कादियान, झज्जर से विधायक गीता भुक्कल, बादली से विधायक कुलदीप वत्स सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता स्थानीय रेडक्रॉस कॉम्पलेक्स परिसर में एकत्रित हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि मनरेगा का नाम और स्वरूप बदलना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान है। उन्होंने कहा कि सरकार धीरे-धीरे इस योजना बंद करने का काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी सरकार के मंसूबो को कभी भी पूरा नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार किसान विरोधी तीन काले कृषि कानून लेकर आई थी। जिसका हमने पुरजोर तरीके से विरोध करके वापस करवाने का काम किया था ठीक वैसे ही सरकार जो गरीब और मजदूरों के विरोध में यह फैसले लेकर आई है उसका भी विरोध करेंगे और सरकार को अपने फैसले को वापस लेने पर मजबूर करेंगे।

वहीं विधायक डॉक्टर रघुवीर सिंह कादियान ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीब और मजदूरों के अधिकारों पर कुठाराघात किया है। कांग्रेस राज में शुरू हुई मनरेगा योजना में 100 दिन के काम की गारंटी थी लेकिन बीजेपी ने 125 दिन किए हैं, लेकिन काम की कोई गारंटी नहीं है। वहीं विधायक कुलदीप वत्स ने कहा कि ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस सड़क से संसद तक विरोध करेगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान विक्रम कादियान, संजय यादव, ईश्वर शर्मा, वीरेंद्र दरोगा, सुभाष गुर्जर, शिशुपाल मलिक, राव नाहर सिंह, देवेंद्र यादव, संत नंबरदार, सुनील जाखड़, वीरेंद्र कौशिक, माया नेहरा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार कर्मी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

गांव लुहारी में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार निजी कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान गुरुग्राम जिले के गांव जाटौला निवासी करीब 29 वर्षीय बिजेंद्र पुत्र गजराज के तौर पर हुई है। रविवार की सुबह यह हादसा उस समय हुआ जब बिजेंद्र मोटरसाइकिल पर ड्यूटी पर रहा था। जब वह कंपनी के नजदीक पहुंचा तो उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसके बाद गंभीर रूप से घायल बिजेंद्र को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के दौरान नागरिक अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजनों ने बताया कि बिजेंद्र के बचपन में ही उसके पिता का देहांत हो गया था। उसके बाद उसकी मां ने ही अपने तीन बच्चों की परवरिश की थी। बिजेंद्र की शादी बीते चार दिसबंर को हुई थी। मामले के जांच अधिकारी सागर ने बताया कि मृतक के भाई मनीष की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कबलाना गांव में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को मारी गोली, रोहतक पीजीआई रेफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। रिटायर्ड पुलिसकर्मी की पीठ में लगी गोली।

गांव में कबलाना में अज्ञात कारणों के चलते गांव के ही एक व्यक्ति ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को गोली मार कर घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों व ग्रामीणों से मामले की जानकारी ली। घायल व्यक्ति की पहचान करीब सत्तर वर्षीय जगजीत के तौर पर हुई है।

- पुलिस मौके पर पहुंची तथा परिजनों व ग्रामीणों से मामले की जानकारी ली

जानकारी अनुसार जगजीत आर्मी के बाद दिल्ली से पुलिस से भी रिटायर्ड हो चुका था और अपने घर पर ही रहता था। रविवार की शाम को भदानी रोड पर गांव के जगमिंद्र नामक व्यक्ति ने जगजीत पर गोली चला दी। इसके बाद गंभीर रूप से घायल जगजीत को उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया।

मामले के जांच अधिकारी राजेश ने बताया कि भदानी रोड पर वारदात हुई है। इसमें एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी को गोली लगी है। घायल को चिकित्सकों द्वारा रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिसकर्मी के मकान से नकदी और आभूषण चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव भापड़ोदा में स्थित एक दिल्ली पुलिस कर्मी के मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर ताले तोड़कर मकान में घुसे और नकदी, आभूषण आदि सामान पर हाथ साफ कर गए। मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात आशुतोष के मकान में हुई है। आशुतोष का कहना है कि वह दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं। गत 9 जनवरी को वह ड्यूटी पर थे और पत्नी क्वार्टर पर थी। रात को ताऊ राज सिंह ने हमारे मकान को ताला लगाया और अपने घर में सो गए।

इसी रात अज्ञात चोरों ने हमारे मकान को निशाना बनाया। अगली सुबह जब ताऊजी ने देखा तो सूचना दी। इसके बाद हम मौके पर पहुंचे। देखा तो मुख्य गेट का ताला टूटा था। अंदर मौजूद दो कमरों के भी ताले चटकाए गए थे। कमरों में सामान अस्त व्यस्त था। जांच करने पर अलमारी से चांदी की पांच जोड़ी पायल, चांदी का सिक्का, आठ हजार की नकदी व हमारी शादी की 15 नोटों की मालाएं गायब थी।

उधर, सूचना पाकर मांडोठी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है।

खेत से सोलर कंट्रोलर चोरी

बहादुरगढ़। ग्रामीण क्षेत्र में खेतों से भी चोरी की वारदात बढ़ रही हैं। कृषि यंत्रों, सोलर पैनल आदि पर हाथ साफ किया जा रहा है। अब गांव मातन में वारदात हो गई। यहां के किसान सोमबीर के खेतों से अज्ञात चोर सोलर प्लेटों का कंट्रोलर चुरा ले गए। सोमबीर जब खेत में गए तो उन्हें वारदात का पता चला। फिर पुलिस को शिकायत दी। मांडोठी चौकी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-6 में मकान के बाहर से गाड़ी चोरी

बहादुरगढ़। शहर में वाहन चोरी के मामले नहीं थम रहे। अब सेक्टर-6 में एक मकान के बाहर से क्रेटा गाड़ी चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता सेक्टर-6 के निवासी राकेश सिंघल का कहना है कि उसने शनिवार की रात को अपनी क्रेटा गाड़ी मकान के सामने खड़ी की थी। रविवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे देखा तो गाड़ी नहीं मिली। अपने स्तर पर जांच की लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात शख्स चुरा ले गया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है। आरोपियों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक की जाएगी। जल्द से जल्द मामले को सुलझाने का प्रयास रहेगा। बता दें कि बहादुरगढ़ इलाके में लगातार वाहनों की चोरी हो रही है। सेक्टर 6 में तो पहले भी कई क्रेटा सहित अन्य गाड़ियां चोरी हो चुकी हैं।

रेढूवास में युवक के साथ की मारपीट गोली भी चली, बाल-बाल बचा युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

- मौसी के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी

क्षेत्र के गांव रेढूवास में कुछ लोगों द्वारा एक युवक पर गोली चलाने व लाठी डंडों से मारपीट करने की घटना को अंजाम दिया गया है। बहादुरगढ़ के लाइनपार शास्त्री नगर निवासी हर्ष कुमार गौतम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मॉडलिंग का कार्य करता है। बीती 25 दिसंबर को वह अपनी नानी को अपनी मौसी के यहां रेढूवास गांव में छोड़कर आया था। शनिवार को वह अपनी नानी को लेने के लिए अपने साथियों के साथ गाड़ी में रेढूवास गांव गया तो उसकी मौसी के घर के पास गली में गांव युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया। हर्ष कुमार गौतम के अनुसार जब वह गाड़ी से नीचे उतरा तो मनीष नाम युवक ने अपने साथियों को आवाज लगाते हुए कहा कि इसे गोली मार दो यह कपिल की मौसी का लड़का है। इसके बाद उस पर गोली चलाई, जो उसके सिर के ऊपर से निकल गई। इसके बाद जब वह मौके से भागने लगा तो मनीष व उसके साथियों ने लाठी, डंडों, सरियों व जेली से उसके मारपीट की तथा उसकी गाड़ी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हर्ष का आरोप है कि उनमें से एक युवक ने उसके पेट पर पिस्टल लगाते हुए उसकी मौसी के परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद वह झज्जर के नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचा। जहां से उसे रोहतक रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हर्ष कुमार गौतम के बयान पर मनीष व उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में मनीष के अन्य कई साथियों के नाम भी दिए गए है।

भ्रूण मामले में सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही पुलिस

बहादुरगढ़। माइनर किनारे भ्रूण मिलने के मामले में सेक्टर-6 थाना पुलिस जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लग पाया है। मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इलाके में अस्पतालों से भी गर्भवती महिलाओं की डिटेल जुटाएगी। शनिवार की सुबह महावीर पार्क की ओर जा रहे रास्ते पर माइनर के साथ कचरे के ढेर में करीब तीन माह का भ्रूण पाया गया था। इस संबंध में सेक्टर-6 थाने में केस दर्ज है। आशंका ये भी है कि भ्रूण माइनर में बहकर आया और यहां कचरे के साथ बाहर निकाला गया हो। बहरहाल, मामले में पुलिस की टीम भागदौड़ कर रही है। फिलहाल आसपास सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थाना प्रभारी जयभगवान दहिया का कहना है कि मामले में गंभीरता से जांच की जा रही है। मामले को सुलझाने के हर संभव प्रयास रहेंगे। बता दें कि गत दो अक्टूबर को छोटूराम पार्क के निकट माइनर में एक भ्रूण पाया गया था। इसके अलावा बहादुरगढ़ में बीते कुछ वर्षों में दर्जनभर भ्रूण तथा नवजात शिशुओं के शव मिलने के मामले सामने आ चुके हैं। पुराना बस स्टैंड, पुराना लघुसचिवालय परिसर, बराही फाटक के पास, रेलवे स्टेशन के पास सहित कई जगह केस सामने आए। हर बार एफआईआर दर्ज हुई और जांच शुरू हुई लेकिन अब तक एक भी केस नहीं सुलझ पाया है। ऐसे में देखने वाली बात है कि हाल ही में मिला यह केस सुलझ पाता है या फिर यह भी फाइलों में धूल फांकता रह जाएगा।

मकान के बाहर से बाइक ले उड़े चोर

बहादुरगढ़। लाइनपार के छोटूराम नगर में मकान के बाहर से बाइक चोरी हो गई। वाहन मालिक ने पुलिस को शिकायत दे दी है। अरविंद कुमार का कहना है कि उसने 31 दिसंबर को अपने मकान के बाहर बाइक खड़ी की थी। अगली सुबह देखा तो नहीं मिली। तब से लेकर अब तक अपने स्तर पर तलाश करता रहा, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिनभर निकली हल्की धूप से सर्दी से मिली राहत, शाम ढले शीतलहर ने बढ़ाई ठिठुरन

आगामी दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज करने का अनुमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। सर्दी से बचने के लिए अलाव तापते हुए लोग। फोटो : हरिभूमि

रविवार को मौसम का असर मिला जुला रहा। दिन की शुरुआत हल्की धूप के साथ हुई। दिनभर हल्की धूप निकली रही। जिसके कारण लोगों को सर्दी से आंशिक राहत मिली और लोगों को अपने दिनचर्या के कार्य करने में कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। धूप निकलने के कारण अन्य दिनों की अपेक्षा बाजार में लोगों का आवगमन ज्यादा रहा। वहीं पार्कों में भी रौनक दिखाई दी। इसके अलावा युवाओं और बच्चों ने पतंगबाजी का जमकर लुत्फ उठाया, लेकिन सायं ढलते ही एक बार फिर मौसम ने करवट ली और शीत लहर चलने लगी। जिसके कारण ठंड का खूब अहसास हुआ और लोग ठंड से बचने के लिए अपने घरों में दुबक गए। इसके अलावा ठंड से बचने के लिए शहर के विभिन्न चौक चौराहों और गली मोहल्लों में लोग अलाव तापते हुए दिखाई दिए। विशेषज्ञ आागामी दिनों में तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज करने का अनुमान लगा रहे है।

डूसू प्रधान आर्यन मान को बधाई देने बहादुरगढ़ पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री गुर्जर

एनसीआर में जनजीवन के लिए जरूरी है अरावली की सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का स्वागत करते आर्यन मान व अशोक मान। फोटो : हरिभूमि

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर रविवार को बहादुरगढ़ पहुंचे और डूसू प्रधान आर्यन मान को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि अरावली की सुरक्षा एनसीआर के जनजीवन के लिए बेहद जरूरी है। साथ ही बताया कि भाजपा आगामी निकाय चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने वैश्विक शांति को भी जरूरी बताया।

लोवा सतरह के प्रधान अशोक मान और डूसू प्रधान आर्यन मान ने रविवार को बहादुरगढ़ पहुंचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का भव्य स्वागत किया। पत्रकारों से बात करते हुए गुर्जर ने कहा कि बीजेपी हरियाणा में होने वाले निकाय चुनाव के लिए तैयार है।

पार्टी निगम चुनाव सिम्बल पर लड़ेगी, जबकि परिषद और पालिका में सिम्बल पर लड़ने का निर्णय जिले की कार्यकारिणी लेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एनसीआर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर रखना है, तो अरावली को बचाना ही होगा। अन्यथा यहां रहने वालों का जीना दूभर हो जाएगा। यहां पहले ही प्रदूषण बेहद खतरनाक स्तर पर है।

ईरान में बढ़ रही अराजकता दुनिया के लिए ठीक नहीं

गुर्जर ने कहा कि ईरान या बंग्लादेश में बढ़ रही अराजकता दुनिया के लिए ठीक नहीं है। सबको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। बातचीत के माध्यम से ही समाधान निकलेगा। गुर्जर ने कहा कि आर्यन मान ने डूसू का चुनाव जीतकर हरियाणा के युवाओं का गौरव बढ़ाया है। दिल्ली के युवाओं का उत्साह भी बढ़ा है। युवा देश का भविष्य है। उनका भविष्य उज्ज्वल है। एबीवीपी प्रत्याशी के रूप में मिली बड़ी जीत पर उन्होंने आर्यन के परिवार को भी बधाई दी। इस मौके पर दलबीर मान, पूर्व सरपंच सिकंदर मान, अशोक राठी, पप्पू दलाल, धर्मबीर बामडोली, माल्हड़ पहलवान, युवराज छिल्लर, अजीत सिंह, संजीव सैनी, कृष्ण जून, राकेश गुलिया, जोगेंद्र दलाल व नरेश दलाल आदि मौजूद रहे।

सांस्कृतिक विरासत

हरियाणा के हिसार जिले में स्थित प्राचीन राखीगढ़ी एक महत्वपूर्ण सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल है। यह भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है। इसे अब तक के सबसे बड़े ज्ञात नगरों में से एक माना जाता है, जहाँ प्राक-हड़प्पा और परिपक्व हड़प्पा काल के प्रमाण मिलते हैं। इससे यह प्राचीन भारतीय सभ्यताओं की समझ के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एक प्रतिष्ठित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पारिवारिक संबंधों की सुदृढ़ नींव है पर्व 'संकरात'

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दु:प्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है।

पर्व

डा. रमाकांता

बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

हरियाणा प्रदेश को पर्व-व्रतों का प्रदेश होने का भी गौरव प्राप्त है। यहां त्योहारों को प्रदेश की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान प्राप्त है। सप्ताह के सातों दिन पर्व अथवा व्रत के रूप में मनाए जाते हैं। एक महीने में कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष, दो एकादशी, एक पूर्णिमा, एक अमावस्या व्रत होते हुए भी यहां पर्व तथा व्रतों की लम्बी श्रृंखला है, जिनमें कुछ पर्व ऋतु प्रधान हैं तथा कुछ ऋतु परिवर्तन पर आयोजित किए जाते हैं। ऋतुओं में सामण-फागण, तीज, होली तथा दुलेहन्डी प्रमुख हैं। इसी प्रकार ऋतु परिवर्तन के आधार पर मनाए जाने वाले पर्वों में बसन्त पंचमी तथा मकर संक्रांति (संकरात) विशेष रूप से जनमानस में मनाए जाते हैं। हरियाणा प्रदेश में मकर संक्रांति को स्नान-दान, पूजा तथा अर्चना करने के रूप में मनाया जाता है। संक्रांति का अर्थ है एक राशि का दूसरी राशि में प्रवेश करना। यह एक ज्योतिषीय आधारित भूगोलीय परिवर्तन होता है जिसका प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है। पर्यावरण तथा प्राकृतिक परिवर्तन का प्रभाव जनमानस के जीवन पर पड़ना भी स्वाभाविक है। इस स्थिति को सन्धि अथवा संक्रांतिकाल कहा जाता है। सूर्य, पृथ्वी लोक का प्रत्यक्ष देवता माना जाता है। छह मास तक सूर्य उत्तरायण में तथा छह मास दक्षिणायन में होता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर राशि में आ जाता है। इसे पृथ्वी पर लोकमान्यता के अनुसार सूर्यसंक्रमण कहा जाता है। सूर्य की गतिनिर्धारित है इसलिए इनकी तिथियां भी निश्चित होती हैं। केवल लीप वर्ष में एक दिन का अन्तर पड़ जाता है।

मकर संक्रांति के दिन को पुराणों में महत्वपूर्ण माना गया है। इस समय देह त्यागने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है। महाभारत में भीष्म पितामह ने शरशय्या पर उत्तरायण की कई दिनों तक की प्रतीक्षा की थी तथा उत्तरायण में ही इच्छा-मृत्यु प्राप्त की थी। 'संकरात' पर्व हरियाणा प्रदेश की लोक संस्कृति की ऐसी धरोहर है जो भविष्य में कभी लुप्त नहीं होगी। समय के कालचक्र का कई पारिवारिक तथा सामाजिक संस्कार ग्रास बन गए किन्तु मकर संक्रान्ति पर हरियाणा के प्रायः सभी वर्गों में घर-परिवार के बड़े-बुजुर्गों को मनाने अर्थात मान-सम्मान देने की पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा आज भी जीवित है। हरियाणा प्रदेश के पर्वोत्सवों की यह विशेषता है कि प्रत्येक त्योहार किसी न किसी मानवीय, पशु जीवों, देवी-देवताओं से संबंध रखता है। उदाहरण के लिए सावन बहू-बेटी के मान के लिए, 'देवोठनीग्यास' देवों के जागने, 'तुलसी विवाह', वनस्पति सम्मान, 'गोवर्धन', 'गोपाष्टमी', गऊ संवर्धन के लिए, 'रक्षाबंधन' भाई-बहन के लिए, होली के लिए, पिता-पुत्र के संबंधों, गूंगा नवमी, सर्पों की पूजा इत्यादि निश्चित हैं। इसी श्रृंखला में संकरात का महत्त्व और भी बढ़ जाता है।

इस पर्व का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि प्राचीन संयुक्त परिवार के दर्शन इनके निर्वहन में हो जाते हैं। परिवार में छोटे-बड़े की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। एक दादा की वंशावली में 'प्रोटोकोल' का पूरा ध्यान रखकर यह पर्व मनाया जाता है। जैसे दादसरा, दादस, तायसरा, तायस, पित्तस, मौसस, फूफस आदि। यह पर्व सारे परिवार के सदस्यों को एक सूत्र में बांधने की परम्परा को दर्शाता है। दूसरा लाभ यह भी होता है कि यदि परिवार में किसी प्रकार का मन-मुटाव भी हो तो वह भी एक ही झटके में दूर हो जाता है। सभी इकट्ठे होकर हर्षोल्लास से संकरात मनाते हैं। बुजुर्गों के मनाने के लिए जाते समय महिलाएं वस्त्र, मिठाई, फलादि लेकर जाती हैं। जिस पुरुष अथवा महिला को मान-सम्मान देना होता है, उसे आदरपूर्वक चारपाई-कुर्सी पर बिठाकर, पांव छूकर सारा सामान, मान राशि सहित सौंप दिया जाता है। उसे बदले में बुजुर्ग से ढेर सारे आशीर्वाद मिलते हैं। परिवार के सभी सदस्य मिलकर भोजन तथा मीठे व्यंजनों का आनन्द लेते हैं।

मकर संक्रांति का पर्व हरियाणा ही नहीं अपितु समस्त भारत में विभिन्न रूपों तथा नामों से मनाया जाता है। हरियाणा में इस अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में तीर्थ स्नान कर तिल-गुड़, तेल, आटा तथा रूई आदि दान करने का महत्व है जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है। लोक मान्यता के अनुसार स्नान-दान से संक्रांति काल का दुःप्रभाव नष्ट हो जाता है। पहले समय में हरियाणा में इस दिन सभी स्त्री-पुरुष, बाल-अबाल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करते थे। जो सबसे पहले नहाने का सौभाग्य प्राप्त करता है, उसे 'परबी लूट' लेने का श्रेय मिलता है। स्नान गांव के तालाब अथवा नदी या कुएं पर किया जाता था क्योंकि सबका तीर्थ स्नान करना संभव नहीं होता था। इसके बाद सभी युवा मिलकर गांव की गलियों तथा मैदानों की सफाई करते थे तथा कूड़ा-कर्कट (घास-फूस लकड़ी) आदि एक स्थान पर एकत्रित कर देते थे। उस कूड़े को जला कर सभी इर्द-गिर्द बैठकर आग सेंकते थे तथा ठंड कम करते थे। हमें अपने पूर्वजों पर गर्व होता है कि उन्होंने प्रत्येक पर्व के आयोजन के पीछे स्वस्थ और पर्यावरण की शुद्धि का विचार पहले रखा। संभवतः संकरात पर सफाई करने की योजना से प्रभावित होकर ही वर्तमान में स्कूलों व कॉलेजों में एनएसएस स्कीम चालू की गई होगी। गांव की सामूहिक सफाई, एक ही दिन, सबके द्वारा करने का इतना सटीक व सुन्दर उदाहरण किसी अन्य संस्कृति में मिलना संभवतः दुर्लभ है। संक्रांत के दिन एक पंथ दो काज सिद्ध होते हैं। एक तो सारे गाँव की सफाई, श्रम की बचत, दूसरा सामुदायिक एकता तथा सुदृढ़ भाईचारे की अभिव्यक्ति। इसके पश्चात् सब मिलकर गुड़-तिल का बना मिष्ठान ग्रहण करते हैं तथा सबमें बांटते हैं। आज भी यह प्रथा कहीं-कहीं प्रचलित है। इस दिन महिलाएं स्नानादि से निवृत्त होकर पीपल, बड़ तथा तुलसी की पूजा करती हैं तथा उनमें सम्बन्धित भजन तथा गीत गाती हैं। बड़ को अक्षय सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। सावित्री ने भी अपने पति के जीवनदान के लिए बड़-पूजन किया था। एक गीत इस प्रकार गाया जाता है -

तैं चैड़ा चिकणा, तैं विरमा का पूत
तेरी डाली सींच के सदा पावैं हम सुख

इस दिन महिलाएं घर में बढ़िया स्वादिष्ट भोजन बनाकर ब्राह्मणों को दान करती हैं। कभी-कभी भोज्य सामग्री जिसे जनभाषा में 'सिद्धा' कहा जाता है, मन्दिरों अथवा ब्राह्मणों को दान किया जाता है। इस दिन डेरों तथा मंदिरों में भंडारे भी लगाए जाते हैं जिसमें खिचड़ी का भोग लगाकर प्रसाद बांटा जाता है। इस दिन खिचड़ी कबनाने के सन्दर्भ में त्रेतायुग की एक घटना प्रासंगिक है जो आज भी जनमानस में कही सुनी जाती है। इस घटना का सम्बन्ध गुरु गोरखनाथ से है।

पौराणिक कथा में है वर्णन

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) गोरखनाथ की तपस्थली है। एक पौराणिक कथा के अनुसार त्रेतायुग में गोरखनाथ भ्रमण करते-करते हिमाचल प्रदेश के 'ज्वालाजी' स्थान पर गए। वहां उन्हें महामाया ज्वालाजी ने भोजन पर आमंत्रित किया, किन्तु गोरखनाथ ने मांसाहार ग्रहण करने से इनकार कर दिया। उन्होंने ज्वालाजी को आग जलाकर तैयार रहने को कहा तथा स्वयं भिक्षा लेकर शीघ्र लौटने की कहकर भिक्षाटन हेतु चले गए। वे अनेक तीर्थों पर गए और अन्त में इरावती नदी के किनारे एक रमणीय स्थान पर एकान्त में तपस्या में लीन हो गए। यह वही स्थान है जहां आज गोरखपुर है। गोरखनाथ फिर कभी वापस ज्वालाजी नहीं गए। गोरखनाथ वहीं सरोवर तट पर एक आसन पर धूना लगाकर बैठ गए। गोरखनाथ की तपःस्थली के आस-पास की जनता में शीघ्र ही यह बात फैल गई कि एक तपस्वी खिचड़ी की भिक्षा लेने हेतु तपोवन में आए हुए हैं। सभी उनके भिक्षा पात्र (खप्पर) में खिचड़ी डालने लगे तथा दर्शन करने लगे। लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि असंख्य लोगों द्वारा खप्पर में खिचड़ी डालने पर भी खप्पर सदैव खाली रहता। जनता यह जान चुकी थी कि तपस्वी कोई साधारण पुरुष नहीं अपितु कोई चमत्कारी, सिद्ध व दिव्य पुरुष हैं। एक दिन गोरखनाथ ने स्वयं अपने हाथों से खिचड़ी बनाई तथा प्रसाद रूप में जनता को बांटने लगे। असंख्य लोग उस प्रसाद को ग्रहण करते किन्तु खप्पर फिर भी भरा ही रहा। यह चमत्कार मकर संक्रांति को हुआ। यह उपक्रम निरन्तर चालू रहा तथा आगे चल कर इस दिन विशेष मेला भी भरने लगा। गोरखनाथ ने जनता को इच्छानुसार बोरियाँ भरकर खिचड़ी ले जाने को कहा। खप्पर से असंख्य लोग खिचड़ी ले गए किन्तु खप्पर यथावत भरा ही रहा। आज भी गोरखपुर में उसी परम्परा का निर्वहन हो रहा है तथा प्रति वर्ष मकर संक्रांति को यहां पर भव्य खिचड़ी (खिच्चड़) मेला आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर भक्तजन दाल, चावल की खिचड़ी का चढ़ावा चढ़ाते हैं तथा अपनी मन्नत पूरी होने की कामना करते हैं। निसंदेह आस्थावान व्यक्तियों की सभी कामनाएं इस धूने पर मत्था टेकने से पूर्ण होती हैं। इस स्थान को धर्मनाथ पंथ (बारह पंथ में एक पंथ) का 'मथ्या टेक' भी कहा जाता है।

संकरात पर अपने घर के बुजुर्गों को 'मनाने के लिए' जाते समय महिलाएं जकड़ी गीत गाती हुई जाती हैं। उदाहरण स्वरूप जकड़ी गीत दृष्टव्य है-

सास मनै राजी बोलिए, राजी बोलिए
मां-बाप छोड़ कै आई
बहु ए तनै राजी बोलूं ना, राजी बोलूं ना
मेरी धुर की तील ना ल्याई
रे बहु जगाई जागी कोन्या आपे चाकी झोई
पीस छाण कै चढ़ी चुबारे, फिर बी सूती पाई।

गीत | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

अनेकता में एकता

अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ, मिलै एक मिजान मैं ।।

हर प्रदेश की भाषा न्यारी कई ढाळ की बोली सै ।
म्हारी हिंदी सभ भाषा की बण कै रही बिचौली सै ।
गाम शहरां की हमजोली सै, हरदम रहती ध्यान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

तीज -त्यौहार बरत -बड़ूले सभ के न्यारे न्यारे
कला संस्कृति रीति -रिवाज फैशन के अलग नजारे
एक दूजे के बने सहारे सुख दुःख के दरमियान मैं ।
अनेकता मैं एकता, या देख हिंदुस्तान मैं ।।

अपणे-अपणे खाण-पाण का लोग लेय चटखारा
मकई बाजरा लिट्टी चोखा इडली डोसा प्यारा
चावल खावै देश यो सारा, मजा मिले मिष्ठान मैं ।
अनेकता में एकता , या देख हिंदुस्तान में।।

कश्मीर से कन्याकुमारी चौपाटी से गौहाटी
वसुधैव कुटुंबकम की निभा रहे परिपाटी
भारत माता की माटी पावन पुनीत विधान मैं ।
अनेकता मैं एकता या देख हिंदुस्तान मैं ।
जात धर्म रंग रूप सभ मिले एक मिजान मैं ।।

लघुकथा | जयदेव राठी

बुजुर्ग की सीख

गाम मैं एक बुजुर्ग आदमी रहै था। उसका नाम था रामसिंह। बुजुर्ग कै धौरै घणी जमीन थी, उनका एक ही बेटा था - धर्म सिंह।

धर्म सिंह बड़ा तेज था। पढ़ाई-लिखाई में होशियार तो था ए, पर उसनै घर के काम-धंधे का कुछ ना आवै था। ना उसनै खेत मै आणा जाणा पडा करता, ना ही उसनै न्यू बेरा था कि खेती क्यूकर करां करै सैं ।

एक दिन रामसिंह नै धर्म सिंह तै कहया, 'बेटा, तू पढ़-लिख ल्यो तो बोहत अच्छी बात सै, पर जमीन तै जुड़ना भी जरूरी सै। चल मेरे गेल्यां खेतां मैं।'

धर्म सिंह नै मन मसोस कै हां कर दी। रामसिंह उसनै खेतां में ले ग्या सारा दैन उन्नै धर्म सिंह ताईं मिट्टी, पाणी, फसल, अर बीज के बारै मै बताया।

धर्म सिंह नै सोच्या, 'यो सब तो बोहत आसान काम सै।' पर जब उसनै खुद हळ चलाण की कोशिश करी, तो उसकै हाथ मै छाळे पड़ गे।

रामसिंह मुस्कराया अर बोल्या, 'बेटा, किताबी ज्ञान अर धरती का ज्ञान दोन्नु जरूरी होवैं सैं। एक बिना दूसरै कै अधूरा सै।

उस दैन तै धर्म सिंह रोज थोड़ा-थोड़ा खेतां में काम करण लाग ग्या । उसनै समझ आ गी के असली ताकत तो मेहनत अर धरती तै जुड़े रहण मै सै।

आज धर्म सिंह एक बड़ा अफसर सै, पर उसकै घर मैं उसकी अपणी छोटी-सी बगिया सै जित वो अपणे हाथ्यां तै सब्जी उगावै सै। बाबा की सीख उसनै हमेशा याद रहवै सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत | यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं

करवट लेता इतिहास है हिसार जिले का 'राखीगढ़ी'

सभ्यता | दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वास्तव में राखीगढ़ी के टीले महज मिट्टी के ढेर नहीं हैं; ये हमारे स्वाभिमान के स्तंभ हैं। यह महोत्सव और यहाँ चल रहा शोध कार्य आने वाली पीढ़ियों को यह याद दिलाता रहेगा कि सभ्यता का सूर्य पश्चिम से नहीं, बल्कि भारत की इसी धरती से उदित हुआ था। डॉ. चंद्र त्रिखा के शब्दों में कहें तो, विसंगतियों से भरे इस उपमहाद्वीप में, राखीगढ़ी ने हमें हमारा खोया हुआ गौरव लौटा दिया है।

हमें स्कूलों में यही पढ़ाया गया कि हमारी प्राचीनता के प्रमाण 'हड़प्पा' और 'मोहनजोदड़ो' विभाजन के बाद पाकिस्तान के हिस्से में चले गए। भारतीयों के मन में एक कसक थी कि सिंधु घाटी सभ्यता की धड़कन सीमा के उस पार है, लेकिन हरियाणा के हिसार जिले के 'राखीगढ़ी' गाँव ने इस धारणा को अब पूरी तरह से बदल दिया है। माना जा रहा है कि हड़प्पा सभ्यता का शरीर भले ही पाकिस्तान में हो, लेकिन उसकी 'आत्मा' यानि उसकी 'राजधानी' हरियाणा की माटी में दबी हुई है।

पुरातत्व की दुनिया में राखीगढ़ी ने एक नई अवधारणा स्थापित कर दी है। डेक्कन कॉलेज, पुणे के विख्यात पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. वसंत शिंदे और हरियाणा पुरातत्व विभाग के संयुक्त शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि यह कोई सामान्य बस्ती नहीं थी। जहाँ हम हड़प्पा और मोहनजोदड़ो का गुणगान करते थे, वहीं राखीगढ़ी का फैलाव लगभग 5500 हेक्टेयर क्षेत्र में था। यह आँकड़ा इसे सिंधु-सरस्वती सभ्यता का सबसे विशाल नगर घोषित करता है। समय के पहिये को पीछे घुमाएं, तो कार्बन डेटिंग बताती है कि आरजीआर-6 से प्राप्त अवशेष 6500 वर्ष पुराने हैं। इसका मतलब यह हुआ कि जब मिस्र और मेसोपोटामिया की सभ्यताएं शैशवावस्था में थीं, तब हरियाणा के मैदानों में एक उन्नत समाज सांस ले रहा था। राखीगढ़ी की खुदाई में मिले साक्ष्य हमें उस दौर की 'इंजीनियरिंग' और 'लग्जरी' से रूबरू कराते हैं। यहाँ नियोजित सड़कें और गलियाँ मिली हैं, जिनकी चौड़ाई मुख्य मार्गों में अधिक तथा आवासीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थी। ये राजस्थान के कालीबंगा की सड़कों से भी अधिक चौड़ी हैं। यह इस बात का सबूत है कि यहाँ व्यापार और आवागमन भारी मात्रा में होता था। खुदाई में यहाँ तांबे के औजार,

टेराकोटा की प्रतिमाएँ, मनके तथा सोने–चाँदी के आभूषण प्राप्त हुए हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि राखीगढ़ी एक समृद्ध व्यापारिक केंद्र था। यहाँ के लोग कला-प्रेमी थे और उनका जीवन स्तर बहुत ऊंचा था। उपलब्ध साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यहाँ आभूषणों का उपयोग और संभवतः निर्माण होता था, जबकि धातु-प्रसंस्करण के कुछ चरण अन्य हड़प्पा केंद्रों से जुड़े रहे होंगे। राखीगढ़ी का सबसे रोमांचक पहलू वह है, जो जमीन के नीचे सोया हुआ है। यहाँ कुल 9 टीले हैं। खुदाई के दौरान विशेषकर आरजीआर-7 में ऐसे कंकाल मिले हैं जो हमारे पूर्वजों की कहानी सुनाते हैं। सबसे अद्भुत खोज लकड़ी के ताबूत में मिला एक कंकाल है। 5000 साल पहले लकड़ी के ताबूत में अंतिम संस्कार करना एक विशिष्ट प्रथा थी, जो संभवतः किसी कुलीन या महत्वपूर्ण व्यक्ति के लिए अपनाई जाती होगी। इन कब्रों पर छतरियां बनाने की प्रथा के भी संकेत मिले हैं। कंकालों का सिर उत्तर दिशा की ओर रखा गया था और उनके पास खाने-पीने के बर्तन रखे गए थे, जो यह बताते हैं कि वे लोग मृत्यु के बाद के जीवन में भी विश्वास रखते थे। अब इन अवशेषों का डीएनए विश्लेषण यह राज खोलेगा कि 5500 वर्ष पूर्व लोगों की शारीरिक संरचना और खान-पान कैसा होता होगा।

इतिहासकार इस बात पर सहमत हैं कि यह शहर अब विलुप्त हो चुकी सरस्वती, दृषद्वती और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बसा था। यहाँ मिले 'हाकड़ा वेयर' संस्कृति के अवशेष इसे सरस्वती घाटी की सभ्यता से सीधे जोड़ते हैं। यहाँ पानी की निकासी के लिए पक्की नालियां और सोख्ता गड्ढे मिले हैं, जो बताते हैं कि वे जल-संरक्षण और स्वच्छता के प्रति कितने जागरूक थे। मई 2012 में जब 'ग्लोबल हेरिटेज फंड' ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 विरासत स्थलों में शामिल किया, जिनके नष्ट होने का खतरा था, तो यह एक चेतावनी थी। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। हाल ही में आयोजित 'राखीगढ़ी महोत्सव' में लाखों लोगों ने शिरकत की और अपनी आँखों से 5000 साल पुरानी दीवारों को देखा। हरियाणा सरकार ने इस स्थल के संरक्षण और विकास के लिए 500 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अनुदान घोषित किया है। यहाँ एक विश्व स्तरीय संग्रहालय और शोध केंद्र बन रहा है, जिसकी देखरेख का दायित्व हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को सौंपा गया है।

नाकामियों से डरना नहीं चाहिए : सुशील दहिया

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

पिंक फिल्म के रंजीत शेरावत, 'रॉक स्टार' के कॉप, 'नो वन किल्ड जैसिका' के आरडी सर, 'थप्पड़' फिल्मके रोमेश सबरवाल, 'बैंड बाजा बारात' फिल्म के ब्रिगेडियर, 'तलवार' के लॉयर, 'मुखबिर' फिल्म के हिदायत अली, 'रेड 2' के चीफ़ मिनिस्टर व 'गोल्ड' के बलदेव सिंह का प्रमुख किरदार निभाने वाले सुशील दहिया अभिनय की दुनिया में अपनी सशक्त पहचान बना चुके हैं।

इन्होंने बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन, इरफ़ान खान, सैफ अली खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, रणदीप हुड्डा, प्रकाश राज, विद्या बालन, अनुष्का शर्मा, जैसे नामी कलाकारों के साथ काम करके अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बता दें कि अभिनेता सुशील दहिया हरियाणा की पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखने वाली उन गिनी-चुनी शख्सियतों में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड में ही नहीं, बल्कि विदेशी फिल्मों में भी नाम कमाया है। अपनी ग़ज़ब की अंग्रेज़ी बोलचाल की शैली और अभिनय के कारण इनको हरियाणा के 'सईद जाफ़री' के नाम से भी जाना जाता है। सुशील दहिया का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के स्तर तक पहुंचने का सफर बहुत अच्छा रहा। इसमें उन्हें कुछ चैलेंज ज़रूर आए पर जल्द ही उन्होंने उन पर क़ाबू पा लिया। हालांकि, जिस दौर में वह अभिनय की दुनिया में आए, उस समय हरियाणा में इतना काम नहीं हो रहा था। चूँकि उनकी शुरुआत दिल्ली में रंगमंच से हुई थी, इसलिए

हरियाणा में काम की कमी से उन पर ज़्यादा फ़र्क़ नहीं पड़ा। सुशील ने नेशनल व इंटरनेशनल दोनों स्तर पर काम किया है और अपनी बुलंदी के झंडे भी गाड़े हैं। इनका मानना है कि दोनों में ही मूलभूत अंतर है। अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन वेल्यूज़ बिल्कुल अलग हैं। वहां उच्च दर्जे की प्रोफेशनलिज्म मिलती है। कोई बड़ा छोटा एक्टर नहीं, बल्कि सभी को तक़रीबन एक समान सम्मान मिलता है। इसके विपरीत राष्ट्रीय लेवल में "लीड कास्ट" का वातावरण होता है। हरियाणवी सिनेमा जगत के संदर्भ में ये मानते हैं कि हरियाणा में बेशक सिनेमा की ज़मीन तैयार हो गई है लेकिन निर्माता और दर्शकों की कमी के मामले में यहाँ काफ़ी काम किए जाने की ज़रूरत है। दर्शकों को अगर अच्छा सिनेमा देखने को मिलेगा तो वो इससे जुड़ जाएंगे। अब शायद हरियाणा प्रोड्यूसर्स को ऐतिहासिक कहानियों से आगे सामाजिक, आधुनिक परिस्थितियों पर सोच-विचार करना चाहिए। सुशील दहिया ने कई विदेशी फिल्मों में काम किया है लेकिन वह अपनी पृष्ठभूमि के लिए भी काम करना चाहते हैं। इसके लिए वह तीन साल से कोशिश कर रहे हैं। स्वयं सुशील दहिया के शब्दों में- 'मैं चाहता हूँ कि हरियाणा में काम मिले। कोई यूँ कह के टाल देता है कि महंगे होंगे, कोई यूँ कहकर कि इतना ज़्यादा अनुभव नहीं चाहिए। मगर बात कोई नहीं करता और मुझसे डायरेक्ट बात किए बगैर ही दूर रहतें हैं।' कैरियर के शुरुआती दौर के संदर्भ में उन्होंने बताया कि उनकी सबसे ज्यादा मदद उनके ख़ुद के अनुशासन ने की। इसके अलावा कई अच्छे लोगों ने भरपूर मदद की, पर किसी व्यक्ति विशेष का नाम लेना उचित नहीं हैं। सबसे ख़ास बात यह है कि अभिनय के क्षेत्र में इतना अच्छा करने पर भी अभिनय का इन्होंने कोई ख़ास प्रशिक्षण नहीं लिया। बस स्कूल और कॉलेज में जो सीखा, वही उनके काम आ रहा है। इसलिए वह अनुभव को ही अपने अभिनय के प्रशिक्षण के तौर पर देखते हैं। यही वजह है कि बॉलीवुड में इनके पास काम की कोई कमी नहीं है और इन्होंने आने वाले समय में भी कई अच्छ-अच्छे प्रोजेक्ट साइन किए हैं। इसके बावजूद सुशील हरियाणवी सिनेमा के प्रति अपने जज़्बे को बरकरार रखते हुए उसमें भी एक अभिनेता के रूप में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में अभिनय के जो सशक्त हस्ताक्षर हैं, उनमें अधिकांश के साथ इनको काम करने का अवसर मिला है।

हरियाणा में सिनेमा के क्षेत्र में आगामी पीढ़ी को वह संदेश देते हैं कि उन्हें मेहनत से नहीं डरना चाहिए और न ही अपनी नाकामियों से। जब कामयाबी मिल जाए तो अपने पैर ज़मीन पर ही रखने चाहिए। सदा सैट पर अपनी पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। सैट पर सभी की इज़्ज़त करना चाहिए और भाव नहीं खाना चाहिए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया विशेष बैठक का आयोजन

मानव तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने को लेकर सीजेएम ने की चर्चा

मानव तस्करी से मानवाधिकारों के हनन के साथ ही समाज की जड़ें भी होती हैं कमजोर : विशाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

मानव तस्करी के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एडीआर सेंटर में एक विशेष बैठक का आयोजन सीजेएम विशाल की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें मानव तस्करी के खिलाफ जागरुकता फैलाने और इससे निपटने संबंधी प्रभावी उपायों पर चर्चा की। सीजेएम विशाल ने कहा कि मानव तस्करी एक गंभीर अपराध है जो न केवल मानवाधिकारों का हनन करता है बल्कि समाज की जड़ों को भी कमजोर करता है। बैठक के दौरान मानव तस्करी की मौजूदा स्थिति, बढ़ते मामलों और इस अपराध के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला प्रोग्राम ऑफिसर प्रियंका, मानव तस्करी विरोधी ईकाई से उप निरीक्षक अमित ढाका, हेड कांस्टेबल पवन कुमार, बाल कल्याण समिति सदस्य अनु कुंवर बाई चौहान, पंकज शर्मा, एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था से मनोज कुमार, संदीप कुमार सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बैठक में उपस्थित सीजेएम विशाल एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को भी किया जागरूक

सीजेएम विशाल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से पैनल पैरा लीगल वालंटियर्स ने जिले के विभिन्न गांवों में पहुंच कर राष्ट्रीय मानव तस्करी दिवस पर लोगों को जागरुक किया। इस दौरान पैरा लीगल वालंटियर शिवधन ने खैरपुर, सरोज ने लडरावण, नवीन कुमारी ने दहकौरा, बबीता ने शाहपुर, रोशनी ने फतेहपुर, ममता देवी ने औरंगपुर तथा प्रेमवती ने खोरड़ा गांव पहुंच कर लोगों को जागरुक किया।

जागरुकता बढ़ाने के लिए कमेटी गठित

सीजेएम विशाल ने बताया कि मानव तस्करी के खिलाफ जागरुकता बढ़ाने के लिए एक कमेटी गठन किया गया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे मानव तस्करी जैसे मुद्दे के प्रति जागरुक रहें तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना कमेटी सदस्यों या पुलिस को दें। गठित कमेटी में साहस पैनल अधिवक्ता, राधा देवी पैनल अधिवक्ता, डॉक्टर पूनम दहिया मनोवैज्ञानिक सलाहकार प्रदीप यादव, सहायक प्रोफेसर मनोविज्ञान , अतर सिंह उप निरीक्षक, कर्मजीत छिल्लर पैरा लीगल वालंटियर आदि शामिल है।

झज्जर। प्रतिभाशाली युवतियों को सम्मानित करते हुए अतिथि एवं जांगिड़ महासभा सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जांगिड़ समाज ने किया प्रतिभाओं को सम्मानित

400 से अधिक प्रतिभाओं को भेंट किए स्मृति चिन्ह

- समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक एकता अत्यंत आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई द्वारा रविवार को मेन बाजार स्थित जांगिड़ धर्मशाला में प्रतिभा व वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्रालय में डायरेक्टर अमृतलाल जांगिड़ ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के पूर्व प्रदेशाध्याक्ष खुशीराम जांगड़ा ने की। इनके अलावा बीडीपीओ भारती, एएमओ डॉक्टर विनोद जांगड़ा, सेवानिवृत्त तहसीलदार जितेंद्र जांगड़ा, सेवानिवृत्त चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर मुरारी लाल जांगड़ा आदि विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे। महासभा के जिलाध्यक्ष प्रवीण जांगड़ा, महिला अध्यक्ष गीत डोलिया व चेयरमैन जोगिंद्र जांगड़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अमृतलाल जांगिड़ ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक एकता अत्यंत आवश्यक हैं।

प्रतिभाओं का सम्मान करना आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा देने का सबसे सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम संचालक संदीप कुमार जांगड़ा ने बताया कि इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाली 400 से अधिक प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता प्रेमवती जांगिड़, रविंद्र जांगड़ा, सत्यपाल वत्स, कैप्टन ईश्वर जांगड़ा, अजीत जांगड़ा, सत्यनारायण जांगिड़, एडवोकेट राजपाल, दिनेश जांगड़ा, प्रदीप जांगड़ा, मास्टर सुरेश शास्त्री, सतीश जांगड़ा, जयपाल जांगड़ा, अमित जांगड़ा, सुनील जांगड़ा, विकास जांगड़ा, महेंद्र जांगड़ा, रणसिंह जांगड़ा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

डॉक्टर अमित की पुस्तक जंजीरें का विश्व पुस्तक मेले में हुआ लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

विश्व पुस्तक मेले में राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉक्टर अमित भारद्वाज के कहानी संग्रह जंजीरें का लोकार्पण हुआ। वेरा प्रकाशन जयपुर के स्टॉल पर लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रकाशक तथा लेखक बनवारी कुमावत राज ने कहा कि जंजीरें मानवीय भावनाओं, संघर्षों और सामाजिक बंधनों की गहन पड़ताल करती है। इन कथाओं में जीवन की सूक्ष्म सच्चाईयां, प्रेम की मिठास, स्मृतियों की पीड़ा, रिश्तों की जटिलताएं और आंतरिक मुक्ति की खोज सशक्त भाषा में उभरती हैं। यह संग्रह न केवल विचारोत्तेजक है अपितु हृदयस्पर्शी भी है। डॉक्टर अमित ने कहा कि लेखन केवल शब्दों का खेल नहीं है, यह अनवरत साधना है। यह कथा संग्रह लेखकीय सफर का एक पड़ाव है। ये किसी बड़े दार्शनिक या साहित्यिक उद्देश्य को पूरा नहीं करतीं। लेकिन लिखते समय मन ने साथ जरूर दिया है। कुछ पात्र जाने-पहचाने लगेंगे, कुछ अजनबी से होकर भी भीतर की गहराइयों को छू जाएंगे। हर लेखक की कोशिश रही है कि वह अपने समय की सच्चाई को ईमानदारी से बिना किसी बनावटीपन के पकड़ सके। इस अवसर पर शिक्षाविद संगीता शर्मा, अवनि भारद्वाज, अयन भारद्वाज, रचना और प्रिंस सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। पुस्तक के लोकार्पण के दौरान उपस्थित डॉक्टर अमित भारद्वाज एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

शिक्षकों को तनाव से निपटने के व्यवहारिक तरीके बताए

बहादुरगढ़। स्वामी समर्थ इंटरनेशनल स्कूल में सीबीएसई द्वारा नियुक्त इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार व रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक तनाव में संतुलन रहा। कार्यक्रम की रिसोर्स पर्सन एसआर सेंच्युरी स्कूल से डिंपी आहूजा रहीं। सत्र के दौरान बताया गया कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में मानसिक तनाव एक आम समस्या बन चुकी है, जिससे हर वर्ग प्रभावित हो रहा है। इस चुनौती से निपटने के उपायों को नाटिका के माध्यम से क्रियात्मक रूप में समझाया गया। शिक्षकों को विशेष रूप से इस बात पर बल दिया गया कि वे स्वयं इस विषय की समझ विकसित करें और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। प्रशिक्षण के दौरान प्रतियोगिताओं, खेल गतिविधियों और संवादात्मक अभ्यासों के जरिए तनाव से निपटने के व्यावहारिक तरीकों को साझा किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है और तनाव को स्वयं पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मन और मस्तिष्क में संतुलन बनाए रखकर ही सकारात्मक सोच और बेहतर परिणाम संभव हैं।

यज्ञ, भजन, प्रवचन और अभिनंदन कार्यक्रम में सर्वमंगल की कामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

महर्षि दयानंद शिक्षण केंद्र भट्टी गेट में रविवार को वैदिक सत्संग, यज्ञ, भजन, प्रवचन व अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्याध्यापिका सुमित्रा ने की। उन्होंने बताया कि घरों में वैदिक विद्वान का सम्मान होना चाहिए, उससे परिवार के सदस्यों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। यज्ञ के ब्रह्मा इंद्रजीत ने बताया हवन में आहुति डलवाते हुए कहा कि यज्ञरूपी भगवान ने ही इस संसार को नियमों में बांधा हुआ है। जीवन में सुखी रहना है तो यज्ञ अर्थात परोपकार करना आवश्यक है। मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित लाला प्रकाशवीर आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद ने पूरी मानवता की सेवा लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। उन्होंने सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार किया। इनके अलावा पंडित जयभगवान, जिले सिंह आर्य, आचार्य शतक्रतु आदि ने अपने-अपने संबोधन में यज्ञ व अभिनंदन कार्यों को उत्तम क्रिया बताया।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान वैदिक यज्ञ में भाग लेते हुए आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर ब्रह्मचारी अनंत, प्रधान दलपत यादव, डॉक्टर गौतम आर्य, कृष्ण दत्त जांगड़ा, जितेंद्र, धर्म सिहं, रामपत, जयवीर, चमन, नवीन योगाचार्य, आचार्या अरविंद गार्गी, अनीता, सोनिया, पुष्पा, सुरेश, विद्या सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

भगवत बने मातनहेल व्यापार मंडल शाखा के प्रधान

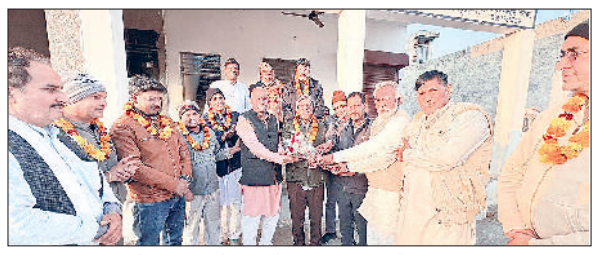

झज्जर। प्रधान को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए जिलाध्यक्ष केशव सिंघल व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

हरियाणा व्यापार मंडल द्वारा रविवार को मातनहेल कार्यकारिणी का गठन किया गया। हरियाणा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्व सम्मत्ति द्वारा भगवत को प्रधान, हरिओम सोनी को महासचिव, टिंकू प्रजापत को सचिव व दिनेश गोयल को उपप्रधान की जिम्मेवारी सौंपी गई। जिलाध्यक्ष केशव सिंघल ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष विजय लक्ष्मीचंद गुप्ता से विचार विमर्श उपरांत शाखा कार्यकारिणी का गठन किया गया। व्यापार मंडल के जिला संरक्षक जिले सिंह सैनी ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें आपसी तालमेल से काम करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सुहाग, सचिव बिट्टू छाबड़ा, लीलाराम, जयपाल, नवीन, जय सिंह, पवन सोनी, नरेश गर्ग, सुरेंद्र शर्मा, विजेंद्र सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

समाज में पंच परिवर्तन की जरूरत : प्रदीप

- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जिला इकाई द्वारा संघ की 100 वर्षीय गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में रविवार को प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन किया गया। लघु सचिवालय परिसर स्थित संवाद भवन में आयोजित कार्यक्रम का आयोजन दीप प्रज्ज्वलन व वंदे मातरम् गीत के साथ किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रोहतक के विभाग प्रचारक प्रदीप ने कहा कि भारत का दर्शन अत्यंत व्यापक और गहन है, किंतु जब तक हमारा आचरण उसके अनुरूप नहीं होगा, तब तक राष्ट्र का सर्वांगीण उत्थान संभव नहीं है। इसी कारण आज समाज में पंच परिवर्तन की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि संघ ने घर-घर जाकर पंच परिवर्तन विषयों पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश संघ की तपस्या, सेवा और संगठन-शक्ति से परिचित है। उन्होंने संघ संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे जन्म से ही भारत राष्ट्र के उपासक थे। विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संगठक कुलदीप ने पंच परिवर्तन के पांच आयामों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भारतीय संस्कृति की मूल चेतना बताते हुए वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्यातिथि बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने कहा कि 100 वर्ष पूर्व आरंभ किया गया संगठनात्मक कार्य आज पूरे समाज को एक सूत्र में बांधने का माध्यम बन चुका है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि तमाम व्यवधानों के बावजूद संघ राष्ट्रहित में निरंतर कार्यरत है।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान अपनी बात रखते हुए मुख्य वक्ता। फोटो : हरिभूमि

पीटीएम में छात्राओं की प्रगति पर हुई चर्चा

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय बहादुरगढ़ में अभिभावक–शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, उपस्थिति एवं समग्र विकास को लेकर शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ संवाद किया।

प्राचार्या अलका गुलाटी ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, शैक्षिक वातावरण एवं विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी।

शिक्षकों ने छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन, आंतरिक मूल्यांकन, व्यवहार एवं भविष्य की शैक्षणिक योजनाओं पर अभिभावकों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। अभिभावकों ने भी अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किए तथा महाविद्यालय द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रेखा व डॉ. रितू के साथ सभी स्टाफ सदस्य इस मौके पर उपस्थित रहे। डॉ. सुदेश राठी ने सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया।

राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में मुक्केबाजों ने जीते मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राष्ट्रीय स्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। कोच हितेश देशवाल ने बताया कि 4 से 10 जनवरी तक गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी नोएडा में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्राची धनखड़ ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, हितेश गुलिया ने 70 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक तथा यश ने 85 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। उन्होंने बताया कि प्राची धनखड़ और हितेश गुलिया इससे पहले भी सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का परिणाम है। इस उपलब्धि पर उन्होंने होनहार मुक्केबाजों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। कोच हितेश देशवाल के साथ उपस्थित विजेता मुक्केबाज। फोटो : हरिभूमि

स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट में 1254 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

- बच्चों को सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास में रविवार को स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट का आयोजन किया गया। टेस्ट में क्षेत्र के करीब 65 गांवों के 1254 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा आजमाई। एचडी ग्रुप सचिव हेमंत गुलिया ने बताया कि अभिभावक भी अपने बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए निर्धारित समय से पहले ही विद्यालय पहुंचे। उन्होंने अभिभावकों को बताया कि नए सत्र में उनके विद्यालय में बच्चों को सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी ताकि वह किसी भी क्षेत्र में पीछे न रहे। स्मार्ट क्लास रूम से लेकर वातानुकूलित बसों तक प्रत्येक विद्यार्थी को हर संभव सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस मौके पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा व प्राचार्य सतबीर सिंह ने भी अभिभावकों को उनके बच्चे के चहुंमुखी विकास का भरोसा दिलाया।

झज्जर। स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट देते हुए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम संघ यात्रा, दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के सामूहिक गान से कार्यक्रम का शुभारंभ

संघ की जन गोष्ठी में पंच परिवर्तन का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में संघ की 100 वर्ष की गौरवशाली यात्रा के उपलक्ष्य में रोहतक रोड स्थित हरि गार्डन में जनगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ यात्रा, दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम्के सामूहिक गान से हुआ। मुख्य वक्ता सह विभाग कार्यवाह विक्रम ने कहा कि भारत के सर्वांगीण विकास के लिए आचरण आधारित जीवन आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संघ पंचपरिवर्तन जन-जन तक पहुंचा रहा है। उन्होंने संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान और 1925 में संघ स्थापना के उद्देश्य संपूर्ण समाज का संगठन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मोहितो के बाड़े से प्रारंभ शाखाएं आज सवा लाख से अधिक प्रकल्पों के साथ अंतरराष्ट्रीय संगठन का रूप ले चुकी हैं। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार से सम्मानित रेणु सांगवान ने गौमाता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। राजेश आर्य, महंत भगवान दास, डॉ. सतीश मित्तल, डॉ. लवकेश, अजय ग्रेवाल सहित नागरिकों ने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम संचालन अर्चना व डॉ. रवि प्रभात ने किया। महेंद्र ने एकल गीत प्रस्तुत किया। संयोजक संदीप आर्य ने धन्यवाद किया।

बहादुरगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में उपस्थित स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

आह्वान किया

विशेष वक्ता केंद्रीय सह मंत्री विश्व हिंदू परिषद रास बिहारी ने पंचपरिवर्तन के सभी आयामों पर विस्तार से विचार रखते हुए पारिवारिक संवाद, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक आत्मगौरव और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का आह्वान किया।

सेवा कार्यों की दी जानकारी

विशिष्ट अतिथि चंद्रभान मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष सत्यपाल सिंह ने छुड़ानी गांव में दिव्यांगजनों के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि आज

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हरियाणा द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायतों तथा सर्वश्रेष्ठ गैर-सरकारी संगठनों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 12 जनवरी है।

मुक्केबाजी का स्टेट सिलेक्शन ट्रायल आज

झज्जर। स्थानीय महर्षि दयानंद सरस्वती खेल स्टेडियम में सोमवार को हरियाणा मुक्केबाजी संघ द्वारा अंडर-19 आयु वर्ग के लिए हरियाणा स्टेट सिलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। कोच हितेश देशवाल ने बताया कि चयन प्रतियोगिता का उद्देश्य इस आयु वर्ग के योग्य मुक्केबाजों का चयन कर उन्हें बीएफआई सिलेक्शन ट्रायल के नामांकित करना है।

14 को होगा गोमाता सेवा संकल्प एवं सेवा यज्ञ

बहादुरगढ़। गार्डियन ऑफ एंजेल्स ट्रस्ट (पंजीकृत) द्वारा संचालित श्री बाल गोपाल गौवंश एवं जीव उपचार केंद्र में बुधवार 14 जनवरी को एक दिवसीय 7वां वार्षिक गौमाता सेवा संकल्प एवं सेवा यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। हरिकिशन मांगले ने बताया कि नया गांव बाईपास पर स्थित केंद्र में 9 बजे गौमाता हवन एवं पूजन होगा।

तीन विद्यार्थी वीवीएम नेशनल के लिए चयनित

झज्जर । आरईडी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के विद्यार्थियों ने विद्यार्थी विज्ञान मंथन 2025 की स्टेट लेवल परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता हासिल करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। स्टेट लेवल कैंप में चयनित 16 विद्यार्थियों में से 3 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय लेवल में अपना स्थान बनाया है। सफल विद्यार्थियों में छठी कक्षा से मयूर, सातवीं कक्षा से खुशी व दसवीं कक्षा से आयुष शामिल हैं। डायरेक्टर जितेंद्र सिंह अहलावत ने इस उपलब्धि पर स्टाफ सदस्यों और छात्रों को बधाई दीं।

राम सैनी ने 80 प्लस आयुवर्ग में तीन गोल्ड मेडल जीते

दिल्ली मास्टर्स एथलेटिक में बीआरजी का दबदबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

दिल्ली के बवाना में स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में रविवार को दिल्ली स्टेट एथलेटिक मास्टर्स चैंपियनशिप आयोजित की गई। इसमें बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पदकों की झड़ी लगा दी। सभी चयनित खिलाड़ी 28 जनवरी से केरल में आयोजित होने वाले नेशनल मास्टर्स एथलेटिक गेम्स में भाग लेंगे। मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन ऑफ दिल्ली द्वारा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें सिंह राम सैनी ने 80 प्लस आयुवर्ग के 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीते। वहीं 65 प्लस आयुवर्ग में कृष्णा राणा ने 400 मीटर, 5 किलोमीटर व 10 किलोमीटर में स्वर्ण पदक, 60 प्लस आयुवर्ग में आरके मोर ने 10 किलोमीटर में रजत और अशोक शर्मा ने 1500 मीटर में कांस्य जीता। जबकि 50 प्लस आयुवर्ग में धर्मवीर सैनी ने 10 किलोमीटर, 1500 मीटर व 5 किलोमीटर में स्वर्ण पदक जीते। राजेश ने 5 किलोमीटर में कांस्य, 55 प्लस में ब्रह्मप्रकाश मान ने 1500 मीटर में कांस्य, मुकेश दहिया ने 100 मीटर में रजत 400 मीटर में स्वर्ण, 50 प्लस में ममता ने 10 किलोमीटर में स्वर्ण, 45 प्लस में विजेंद्र सिंह ने 5 किलोमीटर में कांस्य व 400 मीटर फिनिशर, 45 प्लस आयुवर्ग में ललिता पांडे ने 10 किलोमीटर व 1500 मीटर में स्वर्ण, 40 प्लस में अमृत कौर ने 1500 मीटर में कांस्य, गुलाब सिंह ने 10 किलोमीटर में रजत, 1500 मीटर में कांस्य, सत्यवान डागर ने 5 किलोमीटर में स्वर्ण, 30 प्लस आयुवर्ग में धर्मवीर ने 10 किलोमीटर में रजत, लॉन्ग जंप में रजत व 100 मीटर में चौथा स्थान, सन्नी ने 10 किलोमीटर ओवरऑल व 5 किलोमीटर में स्वर्ण पदक जीते। प्रतियोगिता में दीपक छिल्लर, रोहताश, नवीन राणा और कुणाल छिल्लर ने खिलाड़ियों का रनिंग ट्रैक पर हौसला बढ़ाया।

बहादुरगढ़। चैंपियनशिप में जीत के बाद खुशी जताते बीआरजी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अनुशासन और निरंतर परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं : अर्जुन

- वर्तमान सीजेआई सूर्यकांत युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत : केंद्रीय कानून मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शनिवार देर रात बहादुरगढ़ पहुंचे। उनके आगमन पर दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष आर्यन मान, उनके ताऊ एवं लोवा सत्रह के प्रधान अशोक मान तथा विधायक राजेश जून के नेतृत्व में समर्थकों ने स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा के एक साधारण गांव से निकलकर एक व्यक्ति ने अपनी मेहनत और लगन के बल पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद तक का सफर तय किया है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सीजेआई सूर्यकांत युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और सभी को उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मंत्री ने कहा कि शिक्षा, अनुशासन और निरंतर परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

बहादुरगढ़। आर्यन मान से चर्चा करते केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल।

आर्यन मान को बधाई दी

मेघवाल ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर आर्यन मान को बधाई दी और उनके परिवार की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से निकले नेतृत्व देश के भविष्य को दिशा देने का काम करते हैं और युवाओं की भूमिका लोकतंत्र में बेहद महत्वपूर्ण है। इस मौके पर दलबीर मान, युवराज छिल्लर, पप्पू दलाल, दिनेश शेखावत, संजीव सैनी, अजित सिंह, लक्की दुआ, पंकज गर्ग व सोनू वत्स सहित अनेक गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए उनसे संवाद किया और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की।

पीएमएफएमई योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 35 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान :डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने बताया कि सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत विशेष पहल की जा रही है। इस योजना के तहत लाभार्थी अपने नए अथवा मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम की स्थापना, विस्तार एवं उन्नयन के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को ऋण पूंजी पर 35 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी प्रदान की जाती है। जिसकी अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये निर्धारित है।

- सब्सिडी की अधिकतम सीमा 10 लाख रुपये तक निर्धारित की गई

युवा ही पार्टी की रीढ़ : भूपेंद्र राठी

- 19 को बाघपुर में होगा इनेलो का युवा सम्मेलन
- इनेलो युवा विंग के राष्ट्रीय प्रभारी कर्ण सिंह चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को इनेलो कार्यालय में हलकास्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी तथा युवा इनेलो के रोहतक-झज्जर प्रभारी भूपेंद्र सिंह राठी मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता व मंच संचालन जिला शहरी अध्यक्ष रामनिवास सैनी ने किया।

भूपेंद्र सिंह राठी ने बताया कि 19 जनवरी को बेरी के बाघपुर में इनेलो का झज्जर जिले का युवा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा। जिसमें इनेलो युवा विंग के राष्ट्रीय प्रभारी कर्ण सिंह चौटाला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उनके अनुसार युवा ही पार्टी की रीढ़ होती है।

युवाओं को अधिक संख्या में इस सम्मेलन में पहुंचकर संगठन को मजबूत बनाना है। मौजूदा सरकार पूरी तरह से जनविरोधी नीतियों पर चल रही है। इनेलो मजबूती से जनता की आवाज को सड़क से सदन तक उठा रही है। शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि इनेलो ने हमेशा हरियाणा के हितों के लिए लड़ाई लड़ी है।

बहादुरगढ़। इनेलो की बैठक को संबोधित करते भूपेंद्र राठी। फोटो : हरिभूमि

कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें

कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें और जनता के बीच जाकर सरकार की विफलताओं को उजागर करें। बैठक में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक को राजबीर परनाला, रामधन दलाल, पार्षद मोहित राठी, भारत नागपाल, सूरज राजपूत, विक्की दलाल, देवेंद्र दहिया, अंकित भारद्वाज, मोहित शर्मा व सन्नी दलाल आदि ने संबोधित किया।

स्वदेशी से अर्थव्यवस्था होगी मजबूत: डॉ. पंकज

- मेक इन इंडिया अभियान को भी मिलेगी मजबूती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-6 स्थित कम्युनिटी सेंटर में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अनोखी एग्जीबिशन आयोजित की गई। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पंकज जैन ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए आमजन से स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील की। डॉ पंकज जैन ने कहा कि स्वदेशी अपनाने से जहां देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को भी मजबूती मिलेगी। एग्जीबिशन में लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन करते हुए डॉ पंकज जैन ने कहा कि ऐसे आयोजन कारीगरों और छोटे उद्यमियों के लिए बेहद उपयोगी हैं।

बहादुरगढ़। एग्जीबिशन में लगे स्टालों का अवलोकन करते भाजपा नेता डॉ पंकज जैन। फोटो : हरिभूमि

शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया

इससे उन्हें अपने बनाए उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और वे आत्मनिर्भर बनते हैं। आयोजकों ने तिलक लगाकर डॉ पंकज जैन का स्वागत किया तथा शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने एग्जीबिशन में भाग लेने वाले सभी कारीगरों को बधाई दी और उनके उत्पादों की सराहना की। प्रदर्शनी में खानपान, उपहार, आध्यात्मिकता और शिक्षा से जुड़े विभिन्न स्टॉल लगाए गए है। इसका समापन सोमवार 12 जनवरी को होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर ही आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार किया जा सकता है।

डी प्लान से वार्ड-5 में बनेंगी दो गलियां

बहादुरगढ़। लाइनपार के वार्ड नंबर-5 में राधे फार्म हाउस के साथ और ट्रांसफार्मर वाली गली के निर्माण कार्य का शुभारंभ रविवार को नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने किया। इन दोनों गलियों का निर्माण कार्य डी-प्लान के तहत करवाया जाएगा, जिस पर करीब 12.75 लाख रुपये की लागत आएगी। सरोज राठी ने कहा कि गली निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाए और सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए।

बहादुरगढ़। रक्तदाता बुल्लड़ पहलवान को प्रोत्साहित करते दिनेश कौशिक।

सेना के लिए 150 लोगों ने किया रक्तदान

बहादुरगढ़। शहर की ओमेक्स सिटी में स्थित सेंट स्टीफन इंडियन स्कूल में रविवार को 219वां रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें करीब 150 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने किया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रक्तदाताओं की पूरी जांच के बाद रक्त संग्रह किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए दिनेश कौशिक ने कहा कि भारतीय सेना के लिए रक्तदान करने से उत्साह और गर्व की भावना बढ़ जाती है। रक्तदान वास्तव में एक सराहनीय और प्रेरणादायक कार्य है। इससे जरूरतमंद की जिंदगी भी बचाई जा सकती है। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदान का आह्वान किया। दिनेश कौशिक ने रविवार को सेक्टर-6 स्थित कम्युनिटी सेंटर में आयोजित 3 दिवसीय अनोखी प्रदर्शनी में शिरकत की। इस अवसर पर संदीप, लोकेश, राहुल, कुनाल, प्रदीप, सतीश, निखिल, अनीश दलाल, राहुल भारद्वाज आदि मौजूद रहे।

नहरी पानी की कमी होगी दूर: जून

- विधायक ने कुलासी और लडरावण में किया जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने गांव कुलासी व लडरावण में जनसंपर्क अभियान के तहत दौरा किया। ग्रामवासियों ने उनका स्वागत उपरांत सम्मान किया। उन्होंने इस दौरान बीते एक वर्ष के कार्यकाल में गांव और हलके में कराए गए विकास कार्यों की जानकारी आमजन को दी।

जनसंपर्क अभियान के दौरान विधायक ने मौके पर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और उन सभी समस्याओं का समाधान करने का भरोसा दिया। विधायक राजेश जून ने ग्रामीणों को बताया कि नहरी पानी की कमी को दूर करने के लिए पाई डिस्ट्रीब्यूटर पर 14 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया जा चुका है। इससे क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी।

विधायक ने ग्रामीणों को बताया कि दोनों गांव में लाखों रुपये के विकास कार्य बीते एक साल में हो चुके हैं। शेष विकास कार्य आगामी बजट में पूरे करवाए जाएं जाएंगे। राजेश जून ने कहा कि जनता द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभा रहा हूं। सीएम नायब सैनी के आशीर्वाद से बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में तेज गति से विकास हो रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विकास से जुड़े कार्य व अन्य समस्याओं का समाधान विधायक कोटे, पंचायती राज संस्थाओं और अन्य ग्रांट के माध्यम से कराया जाएगा।

बहादुरगढ़। ग्रामीणों को विकास कार्यों की जानकारी देते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर युवराज छिल्लर, नरेश छिकारा, कुक्कू, ढिल्लू, राकेश छिकारा, पप्पू, सुरेश छिकारा, सुनील छिकारा, जस्सी जून, अजय शेखावत, अजीत, लोकेश खरब आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

संस्कारम स्कॉलरशिप यूनिवर्स: 1 से लेकर 40 तक पोजीशन वाले होंगे सम्मानित

3.0 का शंखनाद: डॉक्टर महिपाल ने दिया सफलता का मंत्र

चरखी दादरी, रोहतक और साल्हावास में 664 मेधावी विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शिक्षा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके संस्कारम ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित संस्कारम स्कॉलरशिप यूनिवर्स 3.0 के प्रथम चरण ने हरियाणा में शैक्षणिक उत्साह की एक नई लहर पैदा कर दी है। रविवार को चरखी दादरी, रोहतक और साल्हावास में आयोजित परीक्षा में कुल 664 मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। संस्कारम ग्रुप की इस पहल का मुख्य उद्देश्य न केवल बच्चों की प्रतिभा को परखना है, बल्कि उन्हें आर्थिक संबल प्रदान कर उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना भी है। आज की इस परीक्षा में विशेष उत्साह तब देखने को मिला जब विभिन्न श्रेणियों में अव्वल आने वाले विद्यार्थियों को मौके पर ही सम्मानित किया गया। संस्कारम प्रबंधन ने 18 जनवरी के लिए एक विशाल रूपरेखा तैयार की है। जिसमें ओलंपियाड की प्रत्येक कक्षा में 1 से लेकर 40 पोजीशन तक आने वाले सभी विद्यार्थियों को नकद पुरस्कारों और मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिभाओं की खोज करना हमारा लक्ष्य

संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने शिक्षा और पुरुषार्थ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि हरियाणा की उस माटी से प्रतिभाओं को खोजकर निकालना है जो संसाधनों के अभाव में कहीं दब जाती हैं। उन्होंने कहा कि संस्कारम स्कॉलरशिप यूनिवर्स 3.0 केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि एक मंच है जहां हर बच्चा अपनी योग्यता के दम पर अपने सपनों की उड़ान भर सकता है।

झज्जर। परीक्षा केंद्र में उपस्थित विद्यार्थी, अभिभावक और स्कूल स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि